AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि का अध्यय

ORIGINAL ARTICLE

Authors
कुमार सौरभ
शोधार्थी
शिक्षा संकाय

डॉ. निशा चंदेल
शोध पर्यवेक्षिका
शिक्षा संकाय
संस्कृति विश्वविद्यालय
मथुरा, उत्तरप्रदेश, भारत

शोध सार

प्रस्तुत शोध "उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन" से है। प्रस्तुत शोध कार्य में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप में लिया गया है। वर्तमान समय में सामान्यतः देखा जाता है की छात्रों की उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। प्रस्तुत शोध में यह जानने का प्रयास किया जायेगा की संवेगात्मक बुद्धि विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि को कितना प्रभावित करती है? किस स्तर पर प्रभावित करती है? इसलिए शोधार्थी ने उक्त विषय पर अध्ययन का चुनाव किया। प्रस्तुत शोध में सिवान जिला के 2 सरकारी एवं 2 गैर–सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 150 छात्र एवं 150 छात्राओं का चयन प्रतिदर्श हेतु किया गया है। प्रस्तुत शोध में छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का पता लगाने के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के उद्देश्य को ध्यान में रखकर शोधार्थी ने संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करने के लिए मंगल इमोशनल इंटेलिजेंस इन्वेंटरी (2015) डॉ. एस. के. मंगल एवं शुभ्रा मंगल उपकरण का उपयोग किया गया है।

मुख्य शब्द

विद्यालय, विद्यार्थी, शिक्षा, संवेगात्मक बुद्धि.

परिचय

शैक्षिक उपलब्धि वह अभिकल्प है जिसमे विद्यार्थी के द्वारा ग्रहण किये गये ज्ञान, कुशलता को ज्ञात किया जाता है। शैक्षिक उपलब्धि बालक की वर्तमान योग्यता या किसी विशिष्ट विषय के क्षेत्र में उसके ज्ञान की सीमा का मापन करती है।

संवेगात्मक बुद्धि स्वयं की एवं दूसरों की भावनाओं अथवा संवेगों को समझने और व्यक्त करने की क्षमता है। दूसरे शब्दों में, अपनी और दूसरों के भावनाओं के बीच भेदभाव और उन्हें उचित रूप से लेवल करना, सोच और व्यवहार मार्गदर्शन करने के लिए भावनात्मक जानकारी का उपयोग को संवेगात्मक बुद्धि कहते हैं।

सामान्य अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य सांवेगिक सूचनाओं की पारदर्शिता एवं कुशलता के साथ प्रक्रमण करने की योग्यता है।

बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर कई कारकों का प्रभाव पड़ता है। इनमें संज्ञानात्मक कारक तथा असंज्ञानात्मक कारक दोनों शामिल है। कुछ कारक ऐसे हैं जिनका संबध बच्चों की बुद्धि से है जिनमें संज्ञानात्मक या बौद्धिक कारक कहते हैं। कुछ कारक ऐसे हैं, जिनका संबंध बुद्धि के अलावा दूसरे कारकों से है, जिन्हें असंज्ञानात्मक या अबौद्धिक कारक कहते हैं।

उच्च माध्यमिक शिक्षा किशोरावस्था की शिक्षा है। इसके अंतर्गत कक्षा 11 से 12 तक की शिक्षा आती है। देश के आर्थिक उन्नति का दृढ़ आधार भी उच्च माध्यमिक शिक्षा ही होती है। देश के व्यवसाय में बच्चों का प्रवेश उच्च माध्यमिक शिक्षा के बाद ही होता है।

प्रस्तुत शोध में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन किया गया है।

उद्देश्य

1. लिंग के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर ज्ञात करना।
2. विद्यालय के प्रकार (सरकारी/गैर–सरकारी) के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर का पता लगाना।
3. पिता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर का पता लगाना।
4. माता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर का पता लगाना।
5. उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं के संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
6. सरकारी एवं निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
7. पिता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
8. माता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
9. उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि में संबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

1. लिंग के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता नहीं होगा।
2. विद्यालय के प्रकार (सरकारी/गैर–सरकारी) के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता नहीं होगा।
3. पिता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता नहीं होगा।
4. माता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता नहीं होगा।
5. लिंग के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में भिन्नता नहीं होगा।
6. विद्यालय के प्रकार (सरकारी/गैर–सरकारी) के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में भिन्नता नहीं होगा।
7. पिता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में भिन्नता नहीं होगा।

8. माता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में भिन्नता नहीं होगा।
9. उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक संबंध होगा।

अध्ययन की सार्थकता

बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर बौद्धिक या संज्ञानात्मक कारक का गहरा प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार के कारकों में बुद्धि कारक विशेष रूप से उल्लेखनीय है। साधारणतः विश्वास किया जाता है कि बुद्धि तथा उपलब्धि के बीच सीधा घनात्मक संबंध है। विश्वास किया जाता है कि बौद्धिक स्तर के पढ़ने पर उपलब्धि स्तर भी बढ़ता है। जो बच्चा जितना ही अधिक बुद्धिमान होता है उसकी शैक्षिक उपलब्धि ज्यादा होती है।

प्रस्तुत अनुसंधान कार्य वर्तमान समय की एक महत्त्वपूर्ण समस्या को लेकर किया गया है जिसमें उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप में लिया है। वर्तमान समय में सामान्यतः देखा जाता है कि छात्रों की उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है।

प्रस्तुत शोध यह जानने में सहायक सिद्ध होगा कि विद्यार्थी की संवेगात्मक बुद्धि शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते है या नही इसीलिए शोधार्थी ने उक्त विषय पर अध्ययन की आवश्यकता महसूस की।

निष्कर्ष

शोधकर्ता ने शोध के उपरान्त यह निष्कर्ष निकाला कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है।

प्रस्तुत शोध में पाया गया कि लिंग एवं माता–पिता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता नहीं पायी गई परन्तु विद्यालय के प्रकार के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता पाया गया। प्रस्तुत शोध में पाया गया कि लिंग, विद्यालय एवं माता–पिता की शिक्षा के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में भिन्नता आती है। उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक संबंध हैं।

संदर्भ सूची

1. गुप्ता, एस.पी. (2013), *आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन,* शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. त्यागी, सुरेश (2019), *शिक्षण अधिगम व विकास का मनोविज्ञान,* इन्टरनेशनल पब्लिकेशन, मेरठ।
3. तारा, वी.एस. (2014), *शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व,* राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. सुलैमान, मुहम्मद (2014), *उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान,* मोतीलाल बनारसीदास, पटना।
5. पाण्डेय, लाख नारायण (2015), *शैक्षिक अनुसंधान,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. पाठक, पी.डी. (2012), *शिक्षा मनोविज्ञान,* विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
7. सिन्हा, इनाम एवं अनवर (2016), छात्रों के शैक्षणिक उपलब्धि पर मनोविज्ञान व सामाजिक तत्वों का प्रभाव शिक्षा और विकास, *आई.जे.ए.आर.,* वॉल्यूम 2(4) पृ. 180–182।

––==00==––